कौम को अंतिम सन्देश

स्व. श्री बाबू चुन्नीलाल जी
पूर्व सांसद

धानुक बन्धुओं आप मेरे हो। मैं आप का हूँ। इस समाज में जन्म लेकर जाति का उत्थान करने आये हो। मात्र कुल और पितृ कुल की रोशनी आपकी नि:स्वार्थ समाज सेवा और कुर्बानी से फैलेगी। मैं चाहता हूँ कि सभी कार्यकर्ता मिलकर समाज हित का कार्य करें।

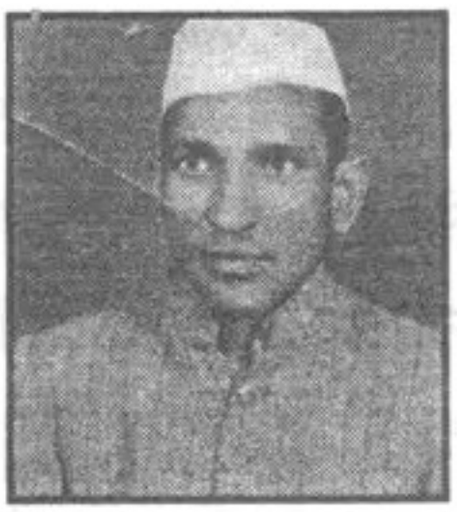

स्व. श्री धनपतराय भारतीय
पूर्व पार्षद महानगर पालिका,
दिल्ली

मैं जानता हूँ जमाने के साथ तस्वीर बदल जाती है। जो हमारे साथ है मार्ग दर्शन कर रहे हैं, उन्हें आने वाले कल का गौरवमयी इतिहास याद करेगा। धानुक समाज की उन्नति और प्रतिष्ठा के लिए हम सब एक मजबूत संगठन की जरूरत महसूस करते हैं। आज के समाज सुधारक शिक्षित युवको में समाज की तस्वीर बदलने की शक्ति है।

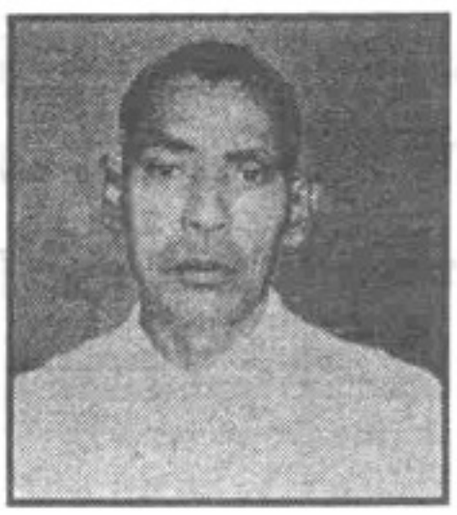

स्व. श्री जीवनसिंह चौहान
सिद्धांत शास्त्री जयपुर

जिन्होंने देश का भ्रमण करके स्वाभिमान का सन्देश दिया ऐसे कौम के सपूत चलते रहे, बोलते रहे, दु:ख सहते रहे। इस धानुक सपूत की राजस्थानी आवाज हमें सचेत करती है कि वीर धानुक बन्धुओं आप पर समाज विश्वास करता है। पूर्व नेता आप पर कुछ जवाबदारी छोड़ गये हैं। जिसे पूरा करना है। समाज को जोड़ने में नाम, काम, रीतिरिवाज, वेषभूषा और भाषा धानुक जाति को संगठित होने में बाधक नही हो सकती है। सारे भारत का धानुक एक है।

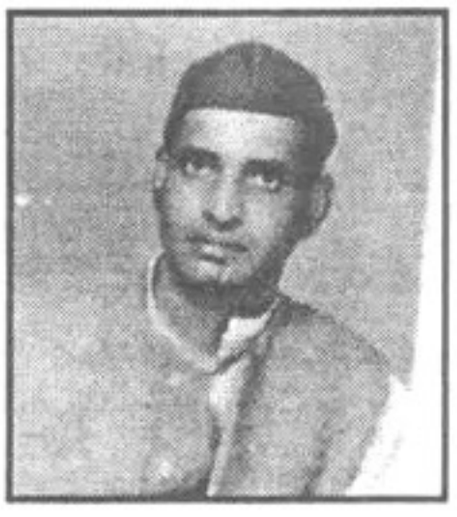

स्व. श्री बाबूलाल भारतीय

धानुक भाइयों धानुक समाज का इतिहास इतिहासकारों ने ओझल कर दिया है। धानुक विद्वान उसका खोज पूर्ण विधि से निर्माण करें, अपना इतिहास निर्माण करने के लिए किसी के इतिहास का सहारा लेना जरूरी नही है।